BISHOP SCOTT BOYS' SCHOOL

(Affiliated to CBSE, New Delhi) Affiliation No.: 330726, School Campus: Chainpur, Jaganpura, By-Pass, Patna 804453.
Phone Number: 7061717782, 9798903550. ,
Web: www.bishopscottboysschool.com Email: info@bishopscottboysschool.com

Sarvada Sarva shreshth
HOLISTIC DEVELOPMENT

STUDY MATERIAL
SUBJECT -Hindi
SESSION-2020-21
CLASS-८

TOPIC: पाठ -3 तृणभारत

Day-1.

लेखक - परिचय---

विजयदान देथा

जन्म- १ सितम्बर ,१९२६
जन्म -स्थान- राजस्थान के जोधपुर जिले के , बोरुँदा नामक गॉव में हुआ था |
पुरस्कार–साहित्य अकादमी एवं अन्य पुरस्कार
रचनाएँ –राजस्थानी में 'अलेखू हिटलर ' तथा १३ खण्डों में 'बातां नी फुलवारी ' और हिंदी में दुविधा ,सपनप्रिया ,उलझन ,रुख और 'राजस्थानी -हिंदी कहावत कोश ' |

Day---2.

निहित जीवन मूल्य -----
* एकता का महत्व
*अफवाह का दुष्परिणाम

पाठ की भूमिका ----
यह सत्य है कि एकता में बहुत बल होता है पर यह बल तभी कारगर होता है जब इसका प्रयोग सकारात्मक दिशा में किया जाय |
प्रस्तुत पाठ एक व्यंग्य है जिसमें दिखाया गया है कि किस तरह आज लोग किसी बात का तिल का ताड़ बनाते देर नहीं लगाते

एक दिन एक बंजारा गुड़ लेने के लिए गॉव के बनियें के दुकान पर पहुँचा| बनिया बंजारे को आया देख बहुत खुश हुआ |तीन धड़ी में तीन सेर कम तोलना तो उसके बाएं हाथ का खेल था |गुड़ तोलते समय बंजारे की दृष्टि गुड़ पर चिपके एक तिनके पर पड़ी |एक तिनके से तोल में क्या अंतर पड़ता ,पर उससे रहा न गया |उसने तिनका उठाया और उँगली के झटके से सामने दीवार की ओर फेंक दिया | तिनका दीवार से जा चिपका।मिठास के कारण तिनके पर मक्खियाँ ,मक्खियों पर छिपकली ,छिपकली पर दूसरी मक्खियाँ ,उनपर बनिये कि बिल्ली ,बिल्ली पर कुत्ते ने छलाँग मारी ।उनकी भगदड़ में कई बर्तन लुढ़क गए ।कई मटकियाँ फूट गयीं । बतासे ,मिश्री ,चीनी ,मिर्च-मसाले ,दालें बिखर गयीं और तेल फ़ैल गया । बैठे बिठाये बनिए का नुकसान हो गया ।

दोनों पक्षों में भयंकर युद्ध हुआ ।बंजारा मारा गया पर मरते-मरते भी उसने सात -आठ को ढेर कर दिया ।

एक -एक कर सारे बंजारे (कबीले के) मारे गए और अपने साथ तीन सौ योद्धाओं को ले बैठे ।
इस प्रकार व्यंग्य के माध्यम से उन्माद में आकर जान और माल की भारी छति हुई |

*शिक्षा ---किसी भी काम को करने के पहले काफी सोंच -विचार करना चाहिए ।

Day-3----

शब्दार्थ---------
बंजारा -घुम्मकड़ जाति के लोग , बोहनी -दिन में पहली बिक्री से मिली रकम , धड़ी -पुराने नाप -तोल में पांच सेर का वजन
तपाक-तुरंत , खामी -कमी , रस्साकशी -खींचतान , बहसबाजी। बिसात -औकात , बाट-इंतजार , अविचल -बिना हिले -डुले
क्रोधावेग -क्रोध के कारण , तोबा -तिल्ला- चीख पुकार , रनरसिया -युद्ध का शौकीन, वेखौफ -निडर , त्राहि -त्राहि करना-रक्षा के लिए पुकारना , अम्बार का ढेर - खेत रहना -युद्ध में मारा जाना ।

Day-4-----

लिखित कौशल---
प्रश्न-१. बनिये की दुकान पर बंजारा क्या खरीदने आया था ?
प्रश्न-२. दीवार पर तिनका चिपकने के बाद क्या हुआ ?
प्रश्न -३. बिल्ली और कुत्ते के कारण बनिए के दुकान की हालत कैसी हो गयी ?

Day-5------

प्रश्न-४.बनिये ने कुत्ते की ओर बाट उठा कर फेंका तब क्या हुआ ?
प्रश्न-५.गली में शोर मचने पर जो कुछ हुआ उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिये ।
प्रश्न-६ .निम्नलिखित पंक्तियों की आशय स्पष्ट कीजिये -----
(क) . वह बंजारा अपने बफादार कुत्ते का इरादा भाँप गया । पर मदद आने तक बुजदिली दिखाए तो माँ का दूध लजाता है अँगरखे पर खून देखकर वह साक्षात् काल बन गया ।
(ख) सोंचा ,' मारने पर जीत और मरने पर स्वर्ग ' ।बस फिर क्या था , लाशों के अंबार लग गए ।